साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 | अंक : 37 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 24 अप्रेल से 30 अप्रेल 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

डुबने से युवक की मौत

गोंदिया-गोरेगांव तहसील के कुरहाड़ी निवासी सत्यम महेश बंसोड (22) अपने मित्रों के साथ बोदलकसा घुमने गया था. इस दौरान बोदलकसा तालाब में नहाते समय उसकी पानी में डूबकर मौत हो गई. फिर्यादी कौशिक महेश बंसोड (24) की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है.

पहलगाम आतंकी हमले का विरोध

सकल हिंदू समाज का सांकेतिक बंद व सामूहिक श्रद्धांजलि शनिवार 26 अप्रैल को

बुलंद गोंदिया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हिंदू पर्यटकों की आतंकवादियों द्वारा कायरता पूर्वक जघन्य हत्या किए जाने के विरोध में गोंदिया केसकल हिंदू समाज द्वारा शनिवार 26 अप्रैल की शाम 5 से 9ः00 बजे तक सांकेतिक बंद रख नेहरू प्रतिमा पर सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित कर ब्लैक आउट का आवाहन किया है। गौरतलब है की जम्मू कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में पर्यटन के लिए आए हिंदू नागरिकों का धर्म पूछ कर अंधाधुंध गोली चलाते हुए 28 नागरिकों की जघन्य हत्या की। जिसका विरोध संपूर्ण देश के साथ पुरे विश्व द्वारा किया जा रहा है। इस हत्याकांड का विरोध करने के लिए गोंदिया के सकल हिंदू समाज द्वारा शनिवार 26 अप्रैल की शाम 5 बजे से 9ः00 बजे तक सांकेतिक बंद का आवाहन किया है।.

इसके साथ ही शाम 6ः00 बजे नेहरू चौक से शहर में मूक मोर्चा नेहरू प्रतिमा ,गोरेलाल चौक, गांधी प्रतिमा ,गुरु नानक गेट, जय स्तंभ चौक से वापस नेहरू चौक पर पहुंचकर आतंकवादी हमले में शहीद नागरिकों को सामूहिकश्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही सकल हिंदू समाज द्वारा शहर के नागरिकों से आवाहन किया गया कि शाम 7ः45 से 8ः00 बजे से अपने-अपने निवास व प्रतिष्ठानों की लाइट बंद कर ब्लैक आउट कर इस हत्याकांड का विरोध व्यक्त करें। सकल हिंदू समाज के इस बंद को शहर के सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान व राजनीतिक दलो द्वारा समर्थन देकर बंद को सफल करने हेतु

आवाहन किया गया है। सामूहिक श्रद्धांजलि वह संकेतिक बंद में बड़ी संख्या में शामिल होकर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करें ऐसा आव्हान सकल हिंदू समाज द्वारा किया गया है।

पहलगाम में आतंकवादियों के कायराना हमले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि देकर राष्ट्रवादी कांग्रेस ने आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

बुलंद गोंदिया। जम्मू कश्मीर घाटी के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर कायराना हमला कर 27 पर्यटकों की हत्या की। इस कायराना घटना की संपूर्ण देश में निंदा तो हो रही है गोंदियामें जिला राष्ट्वादी कांग्रेस पार्टी द्वारा इस घटना का विरोध कर रेल टोली राष्ट्वादी भवन से सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा तक विरोध मार्च निकालकर आतंकवादी हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर आतंकवादियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के हमले में 27 पर्यटकों की मौत हुई यह कायरता पूर्ण आतंकवादी हमला है इस हमले के खिलाफ सांसद प्रफुल्ल पटेल पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने विरोध व्यक्त कर आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए रेल टोली स्थित राष्ट्वादी कांग्रेस भवन में 2 मिनट का मौन रखा गया। पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के नेतृत्व में अखंड भारत के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल की

प्रतिमा तक विरोध मार्च निकाला गया जिसमें राष्ट्वादी कांग्रेस पक्ष के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल थे। इस दौरान राजेंद्र जैन ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस समय राजेन्द्र जैन, विनोद हरिनखेड़े, देवेंद्रनाथ चौबे, अशोक सहारे, नानू , केतन तुरकर, राजु एन जैन, दिनेश अग्रवाल, प्रेम जैस्वाल, माधुरी नासरे, निर्मला मिश्रा, विनीत सहारे, हेमंत पंधरे, छोटू पंचबुद्धे, नीरज उपवंशी, अखिलेश सेठ, पूजा उपवंशी, आशा पाटिल, कुन्दा दोनोडे, रुचिता चौहान, अनिता चौरावार, दीपा काशिवार, मोनिका सोनवाने, आनंद ठाकुर, कैलाश यादव, अनुज जैस्वाल, प्रवीण बैस, झनकलाल ढेकवार, मृत्युंजय सिंग, हरगोविंद चौरसिया, जिम्मी गुप्ता, लखन बहेलिया, सौरभ जैस्वाल, रवि रामटेककर, संजीव राय, राजेश वर्मा, मयूर दरबार, चंचल चौबे, विनायक शर्मा, नागों बंसोड़, रमेश कुरील, करण टेकाम, संजू शेंडे, दुलीराम भाकरे, अशोक गौतम, सुरेश कावड़े, शैलेश वासनिक, सुनील पटले, अशोक ब्राम्हणकर, राजु गायधने, रामु चूटे, सयाराम भेलावे, सतीश बिसेन, पंकज चौधरी, राज शुक्ला, तुषार ऊके, प्रदीप लांजेवार, योगेश दरवे, प्रशांत सोनपुरे, लव माटे, कपिल बावनथड़े, दीपक मूलचंदानी, सुनील दुम्बानि, श्रेयष खोबरागड़े, आकाश वाडवे, मोंटी सुखदेवे, मुकेश भोयर, संदीप पटले, रोहित माने, प्रमोद ऊके, संदेश चौरे, शाहिल नागभिरे, भूषण पाटिल, अमन घोडीचोर, रमाकांत मेश्राम, अमित चौहान, संजीव बापट, सचिन अवस्थी, रौनक ठाकुर, जगन्नाथ ठाकरे, प्रेमलाल भेलावे, कुणाल बावनथड़े, प्रमोद कोसरकर, वामन गेडाम, नरेंद्र बेलगे सहित पदाधिकारी आणि कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नप से फागिंग की मांग

गोंदिया-बदलते मौसम की वजह से मौसमी कीडे व मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है. इस समय लोग बदरिला मौसम व उमस से लोग परेशान है. इसी के साथ मौसमी बीमारियों ने भी लोगों को जकड़ रखा है, अस्पतालों में मरीजों की संख्या में दिनों दिन इजाफा हो रहा है. मौसम में परिवर्तन से हर कोई परेशान हैं. सबसे बड़ी परेशानी इस समय शहर में मच्छरों की संख्या बढ़ने से हुई है. मौसम में अचानक बदलाव होने से गर्मी व उमस के कारण जलजनित रोगों की संभावना भी प्रबल हो गई है.

विवाद मुक्त समितीयां नाममात्र के लिए

गोंदिया-राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत में महात्मा गांधी विवाद मुक्त ग्राम समिति की स्थापना की गई थी. इसके माध्यम से गांव के विवादों का गांव में ही निपटारा हो जाता था और गांव में शांति भी स्थापित हो जाती थी. लेकिन वर्तमान स्थिति में समिति के माध्यम से विवाद का निपटारा करने के बजाय कई गांवों में नए विवादों को हवा देकर समिति की निष्पक्षता खत्म होने लगी है. स्थापना के बाद कुछ वर्षों तक तो इन समितियों का कामकाज अच्छा चला, लेकिन समय के साथ समिति का काम ठंडा पड़ने लगा और अब समितियां केवल नाम की रह गई हैं.

विदेश में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति 17 मई तक करे आवेदन

बुलंद गोंदिया। विदेश में शिक्षा के लिए विमुक्त जातियों, घुमंतू जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और विशेष पिछड़ा वर्ग की श्रेणियों के लड़के और लड़कियों के लिए वर्ष 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति के पात्र लाभार्थियों से आवेदन 17 मई तक आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी विदेशी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र, सरकारी निर्णय, छात्रवृत्ति के लिए पात्रता की शर्तें तथा अन्य महत्वपूर्ण नियम व शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए विभाग की वेबसाइट www.maharashtra.gov.in पर जाएं अथवा वेबसाइट https://obcbahujankalyan.maharashtra.gov.in से आवेदन पत्र डाउनलोड कर उसे पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण संचालनालय, आकार परिसर, द्वितीय तल, एम.एच.बी. दो प्रतियां कॉलोनी, म्हाडा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स समतानगर, येरवडा, पुणे-411006 पर जमा की जानी चाहिए। यह अपील अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सहायक संचालक विनोद मोहतुरे ने की है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत अनाधिकृत बाल संस्थाओं के विरुद्ध होंगी सख्त कार्रवाई

बुलंद गोंदिया। पुणे जिले के आलंदी और ठाणे जिले के खडवली में अवैध बाल गृह, छात्रावास और अनाथालय चलाए जा रहे हैं। इन संस्थानों में बच्चों को अवैध रूप से हिरासत में रखे जाने तथा उनके साथ शारीरिक, मानसिक और यौन दुर्व्यवहार किए जाने के संबंध में समाचार प्रकाशित हुए हैं। यह मामला बहुत गंभीर प्रकृति का है और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 और संशोधित अधिनियम 2021 के साथ-साथ महाराष्ट्र राज्य किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2018 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है। किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 42, जैसा कि 2021 में संशोधित किया गया है, में प्रावधान है कि कोई भी संस्था या ऐसा संस्थान संचालित करने वाला व्यक्ति जिसके पास अनुमोदन के अनुसार पंजीकरण प्रमाणपत्र नहीं है और पंजीकरण प्रमाणपत्र संलग्न नहीं है, उसे 1 वर्ष तक के कारावास या कम से कम 1 लाख रुपये के जुर्माने या दोनों से दंडित किया जाएगा। यदि आपको अपने क्षेत्र में अनाधिकृत बाल कल्याण संस्थाएं मिलती हैं, तो कृपया जिले के जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के साथ-साथ चाइल्ड हेल्पलाइन टोल-फ्री नंबर 1098 पर संपर्क करें और बच्चों के खिलाफ शारीरिक और यौन अपराधों को रोकने में सहयोग करें, ऐसी अपील महिला एवं बाल विकास आयुक्त नयना गुंडे और जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तुषार पौनीकर ने की है।

दूल्हे का अनियंत्रित वाहन बारात में घुसा

» एक महिला बाराती की मौत एक महिला गंभीर जख्मी

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता सालेकसा) - सालेकसा तहसील के ग्राम लोहरा में आई बारात में दूल्हे का वाहन अनियंत्रित होकर बारात में घुस गया जिसकी चपेट में आकर एक 70 वर्षीय महिला बाराती की घटना स्थल पर ही मौत हो गई वह एक 60 वर्षीय महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम लोहार निवासी मुकेश सहारे की दो पुत्रीयो का विवाह रविवार 20 अप्रैल को आयोजित था। जिसमें एक बारात गोरेगांव तहसील के ग्राम झांझिया से तथा दूसरी बारात तिरोडा तहसील के गोडमोहाडी से आई थी तथा डीजे व बैड बाजो की ताल पर बाराती नाच गाते हुए दुल्हन के घर की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान जिस वाहन में दूल्हा सवार था वह वाहन अनियंत्रित हो गया तथा नाचते गाते बारातियो की भीड़ के बीच घुस गया। जिससे बारात में शामिल गोपीका बाबूलाल ढोमने उम्र 70 वर्ष गोंडमोहाडी निवासी महिला वाहन की चपेट में आ गयी व उसकी की घटना स्थल पर मौत हो गई तथा

कांताबाई टीकाराम भंडारी उम्र 60 वर्ष निवासी घोटी तहसील गोरेगांव निवासी महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई जिसे उपचार के लिए सालेकसा के ग्रामीण चिकित्सालय में दाखिल कराया गया तथा जहां उसका उपचार शुरू था।]उपरोक्त मामले में वाहन चालक अंकित कटरे ग्राम लोहारा अपना वाहन छोड़कर घटना स्थल से फरार हो गया था तथा इस मामले में फरियादी प्रदीप भाऊलाल ढ़ोमने 54,निवासी गोंडमोहाड़ी तहसील तिरोड़ा की शिकायत पर सालेकासा पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281,125(अ), 106(1) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस हवलदार गणेश सौजाल द्वारा की जा रही है।

द बर्निंग बस -राष्ट्रीय महामार्ग पर निजी ट्रैवल्स की बस को लगी भीषण आग जनहानि नहीं 23 यात्रियों को बचाया

बुलंद गोंदिया। छत्तीसगढ़ के रायपुर से हैदराबाद जाने वाली निजी ट्रेवल्स की वातावनुकूलित स्लीपर बस में राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 53 पर मंगलवार 22 अप्रैल की रात 10ः00 बजे के दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई इस घटना में चालक की सतर्कता से किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई तथा 23 यात्रियों को सकुशल बचाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर से हैदराबाद के लिए निकली एसी स्लीपर बस जब राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 53 पर सड़क अर्जुनी तहसील के सौंदड़ के समीप मंगलवार 22 अप्रैल की रात 10ः00 बजे के दौरान पहुंची तो अचानक शॉर्ट सर्किट से बस में आग लग गई आग लगने की घटना चालक के ध्यान में आते ही एक सुरक्षित जगह पर बस को ले जाकर रोकने के साथ ही सभी यात्रियों को सकुशल नीचे उतारा। इस आग की घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई किंतु प्रवासियों का संपूर्ण साहित्य जल गया। उपरोक्त ट्रेवल्स वहां कांकेर रोडवेज का सीजी 04 एन ए 7776 के यात्रियों को दूसरे ट्रेवल्स की बस में बैठाकर हैदराबाद की ओर रवाना किया गया। संभावना जताई जा रही है

कि भीषण गर्मी के चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है जिससे शॉर्ट सर्किट के चलते यह आग लगी। आग लगने की घटना की जानकारी प्राप्त होते ही साकोली नगर परिषद व सड़क अर्जुनी नगर पंचायत के अग्निशमन वाहन घटना स्थल पर पहुंच कर दो घंटे की अथक मेहनत से आग पर काबू पाया गया किंतु तब तक बस जलकर राख हो चुकी थी। इस आग की घटना से रायपुर नागपुर महामार्ग पर जाम की स्थिति निर्माण हो गई थी घटना स्थल पर डुग्गीपार के पुलिस निरीक्षक अपने पथक के साथ पहुंचकर क्रेन की सहायता से आग बुझाने के बाद बस को मार्ग के बाजू में किया जिससे यातायात सुचारू रूप से शुरू हुआ।।

महामार्ग पर दौड़ती कर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग बनी बर्निंग कार जलकर खाक जनहानि नहीं

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता देवरी) - देवरी तहसील से होकर गुजरने वाले महामार्ग पर सिरपुर बांध सीमा नाके के समीप गुरुवार 17 अप्रैल की सुबह 5ः15 बजे के दौरान मार्ग से जा रही कर में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लग गई हालांकि इस द बर्निंग कार से समय रहते सवार बाहार निकलने में कामयाब रहे जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पांच व्यक्ति नागपुर से अपने डस्टर वाहन से झारखंड की ओर किसी काम से जा रहे थे इसी दौरान राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 53 देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले सिरपुर बांध के समीप सीमा जांच नाके के पास सुबह 5ः15 बजे के दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट के चलते कार में आग लग गई, हालांकि आग लगने के चलते वाहन में सवार सभी लोग सही सलामत बाहर निकल आएजिससे किसी भी प्रकार की जनहानी नहीं हुई । का र में आग लगने की घटना को देख आसपास के ग्रामीण लोग घटना स्थल पर पहुंचे लेकिन आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। इस घटना की जानकारी ग्रामीणों ने अग्निशमन विभाग को दी जानकारी मिलते ही दमकल विभाग घटनास्थल पर पहुंचकर आग को बुझाया लेकिन तब तक कार जल कर खाक हो चुकी थी।

गोंदिया जिला पुलिस विभाग का आव्हान- प्रसार माध्यम से आपत्तिजनक, भ्रामक, झूठी खबर प्रसारित न करें कानून व्यवस्था व शांति बनाए रखे

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले गणेश नगर निवासी आरोपी चिराग संदीप रुंगटा द्वारा अपने प्रतिष्ठान में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले चित्र वाली टाइल्स लगाकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाकर धार्मिक श्रद्धा का अपमान किया। जिसके खिलाफ अपमान करने का मामला शहर पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 299 सहायक धारा 3 (1), (एस), (टी) अ.जा.ज. अ.प्र.के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। वह इस मामले में गोंदिया शहर पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है इसलिए गोंदिया जिला

पुलिस विभाग द्वारा जिले के नागरिकों से आवाहन किया गया है कि किसी भी प्रकार के माध्यम ,सोशल मीडिया, मीडिया के द्वारा आपत्तिजनक, भ्रामक, झूठी खबरों पर विश्वास ना करें तथा जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखें। यदि कोई किसी भी प्रकार के मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक बात या किसी भी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली पोस्ट करता है या फैलता है तो उस पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संपादकिय...

कश्मीर में एक और नरसंहार

एक तस्वीर मीडिया के जरिए दुनिया के सामने आई है। सबसे त्रासद, दर्दनाक और नरसंहार को बयां करती तस्वीरज्! एक नवविवाहिता की कलाइयों पर लाल रंग का चूड़ा है, उंगली में अंगूठी है, लेकिन वह अपने पति के शव के पास गुमसुम बैठी है। उसके भीतर न जाने कितने अंधड़ उमड़ रहे होंगे! आतंकी हमले ने एक नवविवाहित जोड़े की जिंदगी ही काली कर दी। कश्मीर में पहलगाम जिले के बैसरन घसियाले मैदान में आतंकियों ने हमला किया है। यह हमला ही नहीं, बल्कि दानवी नरसंहार है, जिसमें 28 निहत्थे, निर्दोष, मासूम पर्यटकों को, मात्र 20 मिनट में ही, लाश बना दिया गया। बैसरन घाटी पहलगाम से करीब 7 किमी दूर है। एक बेहद खूबसूरत घास का मैदान, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहते हैं, लेकिन आतंकियों ने उसे भी खून से लथपथ कर बदनाम कर दिया। पहलगाम से अमरनाथ यात्रा का एक मुख्य मार्ग जाता है। धार्मिक यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी शुरू हो चुका है। आतंकियों ने तीर्थयात्रियों के लिए भी खौफ और दहशत के भाव पैदा कर दिए हैं। इस बार आतंकियों ने चुन-चुन कर 'हिंदू पर्यटकों' को ही निशाना बनाया है। उनका नाम और धर्म पूछा गया, कलाई में कलावा देखा और कलमा नहीं पढ़ पाए, तो उन्हें गोलियों से भून दिया। बताया गया है कि 4-5 आतंकी थे। उन्होंने 50-70 राउंड गोलीबारी की और 28 सैलानियों को मौत की नींद सुला दिया। अधिकतर पुरुष पर्यटकों को ही निशाना बनाया गया। कर्नाटक की एक महिला ने पति की मौत के बाद जब कहा कि उसे भी मार दें, तो आतंकियों ने जवाब दिया-'नहीं, तुम्हें नहीं मारेंगे। तुम जाओ, जाकर मोदी को बता दो।' इस जवाब से ही आतंकियों की सोच और मंशा समझी जा सकती है। बहरहाल कश्मीर में फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद यह नरसंहार सबसे बड़ा और वीभत्स है। पुलवामा में 40 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को आतंकियों ने 'शहीद' कर दिया था। पहलगाम में धर्म के आधार पर चिह्नित कर पर्यटकों पर पहली बार आतंकी हमला किया गया है। इस नरसंहार ने मार्च, 2000 के चित्तीसिंहपुरा आतंकी हमले की याद ताजा करा दी, जिसमें 35 ग्रामीण सिखों को उनके घरों से निकाल कर मार दिया गया था। तब अमरीका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कश्मीर के प्रवास पर ही थे। इस बार अमरीका के उपराष्ट्रपति वेंस भारत के प्रवास पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी सऊदी अरब गए हुए थे। बहरहाल उन्हें तुरंत लौटना पड़ा। लौटने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह को फोन पर निर्देश दिए कि तुरंत श्रीनगर जाएं और हालात तथा सुरक्षा का जायजा लें। गृहमंत्री श्रीनगर में ही हैं। उन्होंने उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह सचिव सहित सुरक्षा के शीर्ष अधिकारियों के साथ मंथन किया कि ऐसा क्यों हुआ है? राष्ट्रीय जांच एजेंसी भी अब ऑपरेशन में शामिल हो सकती है। सरकार और सुरक्षा-तंत्र तुरंत सक्रिय हो गए हैं। पहाड़ी और जंगलात वाले उस इलाके की सेना और सुरक्षा-बलों ने घेराबंदी कर ली है। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने कहा है कि आतंकियों का नापाक एजेंडा सफल नहीं होने दिया जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का हमारा संकल्प मजबूत है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल अब ऐसे बयान और लाल आंखें दिखाना बेमानी है।

नन्हीं कड़ी में दिन विशेष उफ! यह गर्मी...

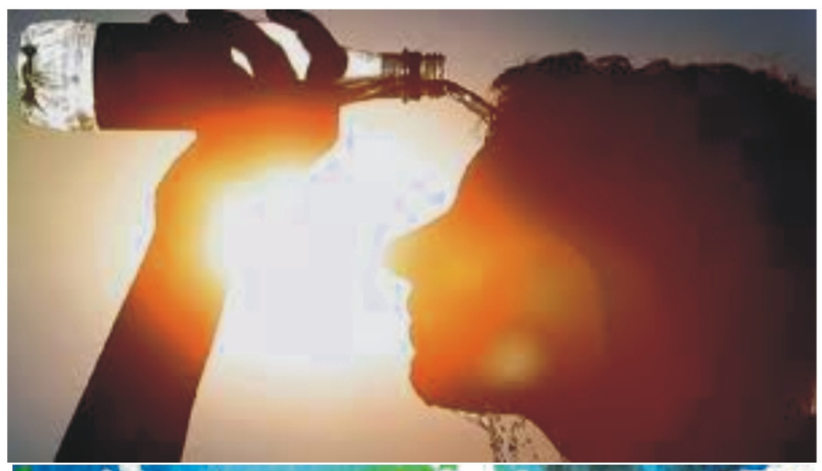

प्रकृति अपनी लीला पर कायम है, मौसम अपनी गति से बदलते रहते हैं। वैसे तो प्रकृति के सभी मौसम प्रिय होते है, सबका अपना-अपना महत्व होता है। इन्हीं महत्वपूर्ण मौसमों में से एक गर्मी का मौसम भी होता है। यह तो हम सभी जानते ही हैं कि बिना तपिश के न तो वर्षा हो सकती है और न ही प्रकृति हरी-भरी हो सकती है। मौसम की बात करें तो एक बार पुनः गर्मी की तपिश अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी है। आज के युग में बढ़ती गर्मी एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है। हर साल तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है, इस बढ़ते तापमान का असर न सिर्फ इंसानों पर अपितु पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों और पूरे पर्यावरण पर भी पड़ रहा है। इस विकट स्थिति के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं परंतु मुख्य रूप से इसकी जिम्मेदारी निर्धारित करने की बात की जाए तो इसके लिए कुछ हद तक मनुष्य स्वंय भी जिम्मेदार है।

आज की सबसे बड़ी जरूरत है कि हम सब मिलकर इस विषय पर गंभीरता से सोचें कि आखिर इस बढ़ती गर्मी के प्रमुख कारण क्या हैं। इस परेशानी का मुख्य कारण है पेड़ों की अंधाधुंध कटाई है। हम सभी जानते हैं कि पेड़-पौधे वातावरण में तापमान को संतुलन में रखने का काम करते हैं, वे कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर प्रकृति को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

आधुनिक और विलासितापूर्ण साधनों में लकड़ी का अत्यधिक उपयोग होने लगा है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के चलते भी जंगलों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। इसके अलावा, पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहन, कारखाने और बिजली उत्पादन में कोयले का भारी उपयोग वायुमंडल में कार्बन की मात्रा को बढ़ा रहा है। इससे वातावरण में हानिकारक गैसों का निरंतर और तेजी से स्तर बढ़ता जा रहा है, इस कारण से भी धरती के तापमान में असामान्य रूप से बढ़ोतरी हो रही है। तेजी से फैल रहे नए-नए उद्योग और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के लिए सड़कों और कांक्रीट के नगरों का निर्माण हो रहा है। सीमेंट से बने ये आधुनिक शहर गर्मी को और बढ़ा रहे हैं और वातावरण को ठंडा रखने में असफल साबित होते हैं। यह सभी बढ़ती गर्मी के प्रमुख कारण है।

प्लास्टिक की वस्तुएं और उसके उत्पादन की प्रक्रिया में निकलने वाली रासायनिक गैसें भी वातावरण को नुकसान पहुँचा रही हैं। प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग और इसके नष्ट न होने के कारण भी पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसके उत्पादन से निकलने वाली जहरीली गैसें वातावरण को और अधिक गर्म कर रही हैं। इस धरती पर प्राकृतिक संसाधन भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं, लेकिन मनुष्य अपनी जरूरतों से अधिक उनका उपयोग करने की कोशिश कर रहा है। इससे पानी, कोयला, गैस, और अन्य खनिजों का अत्यधिक दोहन हो रहा है, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। यह कारण भी बढ़ती गर्मी के लिए जिम्मेदार है।

बढ़ती गर्मी के घातक परिणाम हम साफ-साफ देख सकते हैं। इसके कारण ग्लोबल वार्मिंग की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और समुद्र तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा भी बढ़ रहा है। वायुमंडल की गर्मी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं जैसेलू लगना, डिहाइड्रेशन और हृदय संबंधी व अन्य घातक रोगों का तेजी से प्रसार हो रहा है।

खेती पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिससे फसलों की पैदावार घटती जा रही है। भविष्य में धान जैसी आवश्यक फसलों की पैदावार कम हो सकती है और खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। बढ़ती गर्मी से पशु-पक्षियों पर भी बुरा असर पड़ रहा है, जिससे कई प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं।

अंत में, हमें यह सोचना जरूरी है कि इस समस्या का समाधान क्या है और इसकी जिम्मेदारी किसकी है? हर व्यक्ति को पेड़ों की रक्षा की जिम्मेदारी समझनी चाहिए और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। हम सभी को निजी वाहनों का उपयोग आवश्यकता के अनुरूप ही करना चाहिए। बड़े शहरों में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग अधिक करना चाहिए। सरकार को भी कोयले की जगह जल और पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना चाहिए, ऊर्जा के ये साधन सस्ते और सतत रूप से उपलब्ध हैं। इसके अलावा, प्लास्टिक और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों का उपयोग कम होना चाहिए और सरकार को पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों के लिए कड़े कानून बनाने की जरूरत है। आज के इस लेख के माध्यम से अंत में, मैं बस यही कहना चाहती हूँ कि बढ़ती तपिश के लिए मुख्य रूप से इंसान स्वयं जिम्मेदार है। अगर हम सब मिलकर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लें, तो हम इस समस्या को नियंत्रित कर सकते हैं। हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण छोड़कर जाना है।

आइए, हम सब मिलकर प्रकृति की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, पर्यावरण को स्वच्छ रखें और अपने बच्चों को शुद्ध हवा और स्वच्छ वातावरण देने का संकल्प करें। क्या हम अपने बच्चों एवं आने वाली पीढ़ी के लिए यह कर पाएंगे, मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हम अपनी इस कोशिश में अवश्य कामयाब होंगे।

तमन्ना मतलानी
गोंदिया महाराष्ट्र

शिक्षक भर्ती घोटाले में 2 अरेस्ट जांच में हो रहे नए खुलासे

गोंदिया-घोटाला उजागर होने के बाद शिक्षा उपसंचालक उल्हास नरड को गिरफ्तार कर लिया गया. अब इस बारे में नए खुलासे हो रहे हैं. गोंदिया जिले में भी बड़ा घोटाला उजागर होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता. नागपुर पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर संस्था बनाकर स्कूल खोलने और नौकरी दिलाने के आरोप में अर्जुनी मोरगांव तहसील के परसटोला स्थित एक स्कूल के संस्था सचिव सहित एक शिक्षक को गिरफ्तार किया है. इसलिए, इस घोटाले में शामिल लोगों में दहशत पैदा हो गई है. वर्तमान में हिरासत में लिए गए शिक्षा उपसंचालक वर्ष 2015 से 2020 तक गोंदिया जिला परिषद में शिक्षाधिकारी के पद पर कार्यरत थे. कुछ समय तक उन्होंने माध्यमिक शिक्षाधिकारी के पद पर भी काम किया. उनके कार्यकाल के दौरान फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बड़ी संख्या में नौकरियां दिए जाने की चर्चा रही थी. अब, जब यह पता चला कि वह घोटाले में शामिल है तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया. इसी तरह, नागपुर पुलिस ने संस्था सचिव राजू मेश्राम को नागपुर में उनके घर से हिरासत में लिया, जब पता चला कि चंद्रभागा आदिवासी महिला शिक्षा संस्था के अंतर्गत अर्जुनी मोरगांव तहसील के परसटोला नामक संस्था के दस्तावेज फर्जी है. उसी स्कूल में अंग्रेजी शिक्षक के रूप में काम करने वाले महेंद्र म्हैसकर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है. जैसे-जैसे इस मामले की जांच आगे बढ़ रही है, नए खुलासे हो रहे हैं. जिले में एक बार फिर बड़े पैमाने पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरियां दी गई हैं और जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, जिले के शिक्षा विभाग में घोटाले सामने आएगे. इन दोनों की गिरफ्तारी से हड़कंप मच गया है और नौकरी पाने वाले और नौकरी दिलाने वालों के बीच डर का माहौल पैदा हो गया है.

विद्यार्थियों के सिर पर मंडरा रहा खतरा

स्कूल परिसर में लगाए गए ट्रांसफार्मर से हादसे की आशंका

गोंदिया-गोंदिया जिला परिषद अंतर्गत खाड़ीपार ग्राम पंचायत के चोपनटोली स्कूल परिसर के बीचोबीच विद्युत ट्रांसफार्मर होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस विद्युत ट्रांसफार्मर से विद्यार्थियों की जान खतरे में है। स्कूल प्रशासन की ओर से ट्रांसफार्मर हटाने का पत्र दिया गया, लेकिन महावितरण द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गौरतलब है कि सरकारी जिला परिषद स्कूलों का नाम लेते ही अनगिनत समस्याएं आंखों के सामने दिखाई देती है। कहा जाता है कि सरकारी स्कूल होने से स्कूल की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता। ऐसी विभिन्न समस्याओं के कारण जिला परिषद स्कूलें टूट रही है। गोंदिया जिला परिषद अंतर्गत खाड़ीपार ग्राम पंचायत के चोपनटोली में कक्षा पहली से कक्षा चौथी तक प्राइमरी स्कूल संचालित है। जहां पर विद्यार्थी शिक्षा का पाठ पढ़ रहे हैं, लेकिन स्कूल परिसर के बीचोबीच स्कूल कक्षा के दरवाजे से सटकर हाई वोल्टेज का ट्रांसफार्मर लगाया गया है, जो विद्यार्थियों के लिए बड़ा खतरा साबित हो रहा है। स्कूल के बच्चे अधिक संवेदनशील होने से और विद्युत खतरों से सुनिश्चित रखने के लिए विशेष सावधानी बरतना पड़ता है। ट्रांसफार्मर में तेल भरा होने से ग्रीष्मकाल में विस्फोट होने की प्रबल आशंका बनी रहती है। इसी ट्रांसफार्मर से सटकर विद्यार्थी विचरण कर शिक्षा का पाठ पढ़ रहे हैं। कई बार शाला प्रबंधन की ओर से महावितरण को पत्र लिखकर विद्युत ट्रांसफार्मर हटाने की मांग की गई है, लेकिन इस ओर विभाग अनदेखी कर रहा है। पत्र दिया गया है स्कूल परिसर में स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर विद्यार्थियों के लिए खतरा साबित हो रहा जिसे हटाने के लिए महावितरण को पत्र है, लिखा गया है। लेकिन इस पत्र को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। **एम. के. कावडे, मुख्याध्यापक, जिला परिषद स्कूल चोपनटोली**

प्रेक्टिस व परफॉर्मेंस में अंतर सुरताल और लय से गाया हुआ गीत मधुर होता है : मैथिली पुरोहित

गोंदिया-न्यू कराओके ग्रुप गोंदिया के संयोजक राजेश दवे द्वारा न्यू गुजरात लॉज में कराओके ग्रुप के लिए एक शानदार स्पर्धा आयोजित की गई. जिसक उद्देश्य था कि गाने तो रोज गाते हैं, लेकिन यदि महीने में एक स्पर्धा ली जाए तो सभी कलाकार अपनी मनचाहे गीत की प्रस्तुति दे सकते हैं और गाने में क्या हम बेहतर दे सकते हैं इसका प्रयास करेंगे. संयोजक राजेश दवे ने कहा कि प्रेक्टिस करना और स्पर्धा के हिसाब से अपना परफॉर्मेंस देना इसमें अंतर होता है. सभी को अपने गीत में सुधार करने का मौका भी अपने ही स्पर्धा के माध्यम से मिलता है. 20 अप्रैल को हुए इस कार्यक्रम में 12 कलाकारों ने अपने गीत प्रस्तुत किए. वहीं निर्णायक के रूप में मैथिली राम पुरोहित, राम पुरोहित, प्रसाद बेडेकर, उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत में निर्णायकों का ग्रुप द्वारा स्वागत किया गया. उसके पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत हुई. कार्यक्रम में सभी कलाकारों ने गीतों की प्रस्तुति दी. वही निर्णायकों को ने सभी गानों की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए क्योंकि हमें हमारे घर में ही सीखने का मौका मिलता है. जहां बड़े मार्गदर्शक हमारी गलतियों को बताते हैं और उसके बाद हम उसमें सुधार भी ला सकते हैं. कार्यक्रम में कराओके ग्रुप की लता खोबरेकर, पुष्पा हर्षे, अनु बड़े, राजेश दवे, संजीव बापट, नितिन रोकड़े, विनायक शर्मा, बलराम तांडी, मनीष सोनी, प्रकाश शर्मा, संजय जैन, मनोज जोशी ने गानों की प्रस्तुति दी. जिसमें प्रथम क्रमांक विनायक शर्मा, द्वितीय क्रमांक संजय जैन, तृतीय क्रमांक अनु बड़े को दिया गया. अन्य गायकों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए.

कराओके ग्रुप की प्रस्तुति की सराहना

इस स्पर्धा में मेहमान कलाकार हिमांशु सोनी ने बेहतरीन प्रस्तुति दी कार्यक्रम में निर्णायक मैथिली राम पुरोहित ने भी गीत प्रस्तुत किया. इस कार्यक्रम में पुरस्कार रेखा ज्वेलर्स, मनीष सोनी द्वारा दिए गए. कार्यक्रम के पश्चात प्रकाश शर्मा (पानी वाले) की ओर से भोजन का आयोजन किया गया था. संचालन संजीव बापट ने किया व आभार राजेश दवे ने माना. इस रंगारंग कार्यक्रम में निर्णायकों ने कराओके ग्रुप की सराहना की और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की शुभकामनाएं दी. सफलतार्थ मनिष शर्मा (स्वामी), मोनु बिसेन, येटरे आदि ने प्रयास किए.

आभूषण सहित नकद उड़ाया

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव थाने के तहत महागांव निवासी फिर्यादी सुधाकर गहाणे (50) अपने घर का दरवाजा खुला छोड़कर परिवार के साथ आराम कर रहा था. इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने अलमारी के रखे सोने-चांदी के आभूषण व 25 हजार 200 रु. नकद ऐसे कुल 56 हजार 200 रु. माल चुरा लिया. फिर्यादी की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक रोहनकर कर रहे हैं.

लाखनी जा रही कार अनियंत्रित होकर पलटी

पति-पत्नी की मृत्यु, 2 गंभीर घायल

कोंढाली-स्थानीय पुलिस थाना अंतर्गत अमरावती कोंढाली मार्ग पर 2 कि. मी दुर सोनेगांव क्षेत्र में रविवार की शाम 5 बजे अमरावती जिले की मोझरी से भंडारा जिले की लाखनी की बेटी के बीएमएस डॉक्टर के पदवीदान समारोह से वापस आ रही वेगेनार सुझुकी कार अनियंत्रित होकर सड़क की बाजू खड्डे में पलट गई. दुर्घटना में कार में सवार पती-पत्नी की मृत्यू हो गई काल चालक भाई तथा पास में बैठी बहन गंभीर घायल हो गई. भरत सुरजलाल भोयर (64) उनकी पत्नी लक्ष्मीबाई भरत भोयर (60) लाखनी जिला भंडारा की मौत हो गई. दुर्घटना मे कारचालक का बेटा शैलेश भरत भोयर (34) तथा बेटी सुश्मिता भोयर (29) दुर्घटना मे गंभीर घायल हैं. भारत भोयर की बेटी ममता भारत भोयर यह अमरावती जिले की मोझरी में बीएमएस डॉक्टर की पढ़ाई कर रही थी. 20 अप्रेल को मोझरी मे ममता के पदवीदान समारोह में शामिल होकर भोयर परिवार सुझुकी वॅगनार क्रमांक एमएच-31 सीआर- 0201 से मोझरी से लाखनी वापस लोट रहे थे. इसी बीच अमरावती कोंढाली लेन पर एक मोड़ पर कार अनियंत्रित होकार सड़क के पास एक खड्डे में पलट गई. दुर्घटना की जानकारी मिलते ही कोंढाली पुलिस थाने के पुलिस उपनिरीक्षक धवल देशमुख पुलिसकर्मी तत्काल घटनास्थल पहुंचे कोंढाली के सामाजिक कार्यकर्ता संजय गायकवाड़ तथा के स्थानीय युवकों की मदत से कार सीधी कर सभी घायलों को कार से बाहर निकाला तथा कोंढाली के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया. कोंढाली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की वैद्यकीय अधिकारी डॉ. पूजा गायकवाड ने घायलों का प्राथमिक उपचार कर सभी गंभीर घायलों को नागपूर के शासकिय वैद्यकीय महाविद्यालय में रेफर किया. कार चालक शैलेश का 27 अप्रेल को विवाह होनेवाला था.

नगर पंचायत में गैरहाजिरी बन गई आदत

एक महीने में केवल एक बार रहे उपस्थित प्रभारी मुख्याधिकारी

गोरेगांव–प्रशासक काल के चलते गोरेगांव शहर समस्याओं से पूरी तरह घिर गया है. यहां प्रभारी मुख्याधिकारी सबसे बड़ी समस्या रही है. कार्यालय में अधिकारी उपस्थित नहीं रहते हैं. नवनियुक्त प्रभारी मुख्याधिकारी अमोल मालकर स्वयं एक महीने में केवल एक बार उपस्थिति रहे है. वर्षों से चल रही कार्यालय में मुख्याधिकारी की अनुपस्थित की प्रथा आज भी कायम है. पानी की समस्या से नागरिक जूझ रहे हैं. शहर की व्यवस्था व सुविधाओं पर किसी का ध्यान नहीं है. यहां तिलवाड़ा नगर परिषद में बैठकर गोरेगांव नगर पंचायत का कामकाज चलाया जा रहा है. जानकारी के अनुसार नगर मुख्याधिकारी अमोल मालकर को गोरेगांव नगर पंचायत का कार्यभार संभाले एक महीना होते आ रहा है. यहा कार्यभार ग्रहण करने के लिए प्रथम दिन मुख्याधिकारी अमोल मालकर उपस्थित थे. उसके बाद से ही मुख्याधिकारी की कार्यालय में उपस्थित नहीं है.

पानी की समस्या से जूझ रहे लोग

उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रभारी मुख्याधिकारी राहुल परिहार गोरेगांव नगर पंचायत का कामकाज तिरोड़ा नगर परिषद से चलाया करते थे. छोटे-मोटे काम तथा दस्तावेजों पर हस्ताक्षर के लिए भी कर्मचारियों को तिरोडा शहर में दौड़ लगानी पड़ती थी. वही स्थिति आज भी जारी है. शहर की समस्या तथा नगर पंचायत कार्यालय की स्थिति को देखते हुए यहां मुख्याधिकारी की उपस्थिति बेहद जरूरी है. नियम अनुसार प्रभारी मुख्याधिकारी ने कम से कम हफ्ते के दो दिन गोरेगांव कार्यालय में देना चाहिए. लेकिन गोरेगांव नगर पंचायत में प्रभारी मुख्याधिकारियों ने एक अलग ही प्रथा बना लिया है. जिसके चलते कामकाज पर सीधा असर पड़ रहा है. शहर के कुछ प्रभाग में पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है. लेकिन पानी आपूर्ति पर अधिकारी का ध्यान नहीं है. 50 करोड़ की जलापूर्ति योजना का कार्य राम भरोसे दिखाई दे रहा है. अधिकतर समस्याओं से आम नागरिक परेशान हैं. इन सभी समस्याओं का मुख्य कारण नगर पंचायत में प्रभारी मुख्य अधिकारी हैं. ऐसे में यहां स्थाई मुख्याधिकारी की आवश्यकता है. जिसकी मांग की जा रही है.

गर्मी से सनबर्न का खतरा तापमान 42 डिग्री

गोंदिया–अप्रैल माह के पखवाड़े से गर्मी का प्रकोप काफी बढ़ गया है तथा सुबह 10 बजे से ही तेज गर्मी का अहसास होने लगा है. त्वचा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि धूप में 10 से 15 मिनट तक रहने से भी सनबर्न का खतरा रहता है. जिले में फिलहाल अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक पहुंच रहा है. सूर्य की तीव्रता पूरे दिन महसूस की जा सकती है. लगातार सूर्य के संपर्क में रहने से त्वचा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना बहुत अधिक होती है. चिकित्सकों के अनुसार यदि संभव हो तो सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाहर जाने से बचें. घर से बाहर निकलते समय पूरे शरीर को ढकने वाले सूती कपड़े पहनें. अच्छी गुणवत्ता वाले सनस्क्रीन का प्रयोग करें और अपने चेहरे और हाथों को ढकने के लिए कपड़े का मास्क-स्कार्फ का प्रयोग करें.

विशेष अभियान चलाकर 3 गिरफ्तार

रेल टिकट दलालों के खिलाफ कार्रवाई

गोंदिया–रेलवे सुरक्षा बल नागपुर मंडल द्वारा रेलवे में घटने वाले सभी प्रकार के अपराधो में संलिप्त अपराधियों की धरपकड व अपराधों में अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. इसी क्रम में ग्रीष्मकालीन भीड/यात्रियो की संख्या में वृद्धि व आरक्षित टिकटों की अत्याधिक मांग को देखते हुए रेल आरक्षित टिकटों का अवैध व्यापार करने वाले टिकिट दलालों पर रोक लगाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी व बल सदस्य के द्वारा अपने अपने -क्षेत्राधिकार में लगातार छापेमारी व जांच कर रेल आरक्षित टिकिटों के अवैध व्यापार करते पाये जाने वाले टिकिट दलालों पर %ऑपरेशन उपलब्ध% के तहत रेल अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए वर्ष-2025 में अभी तक 22 मामले पंजीबध्द कर 25 अवैध टिकिट दलालों को गिरफ्तार कर उनसे स्श्वक्रू कुल 7,34,121 रु. मूल्य के व वर्ष-2025 के अप्रैल माह में अलग-अलग चरणे में विशेष अभियान चलाकर 3 मामले पंजीबध्द कर 3 अवैध टिकिट दलालों को गिरफ्तार करते हुए उनसे कुल 26,185 रु. मूल्य के टिकट, रेलवे सुरक्षा बल द.पू.म.रे. नागपुर मंडल द्वारा जप्त कर आवश्यक वैधानिक काईवाई की गई है, साथ ही अवैध टिकट को बनाने में प्रयुक्त सामग्री कम्प्यूटर सिस्टम, लैपटॉप, मोबाईल आदि को भी जप्त किया गया हैं.

रीवा-इतवारी एक्स. मार्ग बदलाव पर प्रश्न

गर्रा बघेडा–गाड़ी संख्या 11753/54 रिवा-इतवारी-रिवा एक्सप्रेस, जो कि वर्तमान में गोंदिया, बालाघाट और नैनपुर होकर चलती है. इस ट्रेन को लेकर हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है. गोंदिया स्टेशन पर आगामी दिनों में तीसरी लाइन के नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते इस ट्रेन के पांच फेरे पूर्व में रद्द किए गए. हालांकि, अब रेल प्रशासन की ओर से एक नया आदेश जारी कर पांचों फेरों को रद्द करने के बजाय, इन्हें नए मार्ग-नैनपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा होकर परिचालित करने का निर्णय लिया गया है. यदि विभाग चाहता तो यह रेलगाडी बालाघाट. कटंगी. तुमसर रोड मार्ग से भी चलायी जा सकती थी, जिससे केवल गोंदिया स्टेशन जहां कार्य होना है, उसे बायपास किया जाता और ट्रेन का परिचालन लगभग पूर्ववत होता. इस विकल्प से यात्रियों को न्यूनतम असुविधा होती और केवल एक स्टेशन का नुकसान होता. वर्तमान में चुने गए मार्ग परिवर्तन के कारण, बालाघाट, तुमसर, भंडारा और कामठी जैसे महत्त्वपूर्ण स्टेशनों को जहां इस गाड़ी का नियमित ठहराव है. वहां के यात्रियों को नकसान उठाना पड़ेगा. इससे न केवल आम यात्रियों की असुविधा बढ़ेगी, बल्कि विभाग को भी आर्थिक नुकसान होगा. चार दिन पहले तिरोडी-तुमसर रोड रेलगाड़ी को गोबरवाही में और तिरोडी-इतवारी रेलगाड़ी को डोंगरी में रोककर मालगाड़ी को पास दिया गया. इसके चलते समय पर चलने वाली यह ट्रेन लगभग चार घंटे विलंबित हुई. इस प्रकार की घटनाएं यात्रियों के प्रति प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती हैं और यात्रियों में भारी नाराजगी उत्पन्न कर रही हैं.

रेसुब ने अपहृत लड़की को आरोपी सहित किया रेस्क्यू

ट्रेन से आने की ट्रेन से आने की मिली थी सूचना

भंडारा–दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) द्वारा एक नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में उल्लेखनीय कार्य करते हुए अपहरणकर्ता को लड़की सहित पकड़ने में सफलता प्राप्त की गई. यह कार्यवाही गाड़ी संख्या 58815 इतवारी-तिरोडी पैसेंजर से जुड़ी सूचना पर की गई. बूटीबोरी थाने में दर्ज है मामला रेलवे सुरक्षा बल चौकी, तुमसर रोड को सूचना प्राप्त हुई थी कि बूटीबोरी पुलिस थाना में दर्ज मामले के अनुसार एक आरोपी नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसे उक्त पैसेंजर ट्रेन से ले जा रहा है. सूचना के अनुसार दोनों आरोपी और लड़की के महकेपार स्टेशन पर उतरने की संभावना जताई गई थी. दीप चंद्र आर्य, मंडल सुरक्षा आयुक्त/रेसुब/नागपुर के निर्देशन में चौकी प्रभारी मोहम्मद मुगीसुद्दीन के नेतृत्व में तत्काल खोजबीन शुरू की गई. तिरोडी स्टेशन पर आक्शन डिलीवरी में तैनात सहायक उपनिरीक्षक एस. के. साहू को सूचित किया गया. महकेपार हाल्ट पर कार्यरत टिकट विक्रेता से मिली जानकारी के अनुसार लड़की व आरोपी के उतरने की पुष्टि हुई. इसके पश्चात एस.के. साहू ने स्थानीय पुलिस को साथ लेकर महकेपार हाल्ट पर पहुंचकर दोनों से पूछताछ की. पहचान सत्यापित होने पर उन्हें महकेपार पुलिस चौकी लाया गया. इसके बाद बूटीबोरी पुलिस थाना को सूचित कर आरोपी व लड़की को सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई. रेसुब की इस त्वरित कार्यवाही की स्थानीय पुलिस द्वारा सराहना की गई है. इस पूरे घटनाक्रम में चौकी प्रभारी मोहम्मद मुगीसुद्दीन एवं साहू की तत्परता और सजगता से एक नाबालिग लड़की को सुरक्षित बचाया जा सका.

लाठी मारकर किया घायल

गोंदिया–देवरी थाने के तहत मस्करया चौक, देवरी निवासी फिर्यादी निलेश संतोष आंबिलकर (23) अपने मित्र के साथ उशीखेड़ा में चंदन उईके के यहां शादी कार्यक्रम में गया था. इस दौरान उशीखेड़ा निवासी आरोपी रुपेश विजय वरखडे (19) का एक व्यक्ति के साथ विवाद चल रहा था. फिर्यादी विवाद मिटाने के लिया गया. इस बीच आरोपी ने फिर्यादी के साथ गालीगलौज कर लाठी से मारकर घायल कर दिया. फिर्यादी की शिकायत पर देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार प्रितम खामले कर रहे हैं

हर दिल को चाहिए होप- अब आसोली में ह्दय रोगियों के लिए बड़ी राहत

होप हार्ट हॉस्पिटल द्वारा धर्मार्थ ह्दय ओ.पी.डी. सेवा का शुभारंभ 27 अप्रैल को

दिल की देखभाल अब हर दिल के बस में, गोल्ड मेडलिस्ट की छांव में, चाय से भी कम कीमत में मात्र 10रु में विशेषज्ञ हार्ट चेकअप, ग्रामीण जनता के लिए सुलभ और गुणवत्तापूर्ण सेवा का ऐतिहासिक कदम

बुलंद गोंदिया। ग्रामीण भारत में चिकित्सा सुविधाओं की कमी कोई नई बात नहीं, लेकिन जब कोई संस्था सेवा को धर्म समझकर काम करती है, तो बदलाव संभव होता है। गोंदिया जिले के आसोली गांव में अब हर दिल बेफिक्र धड़केगा — क्योंकि यहां शुरू हो रही है एक अनोखी और बेहद जरूरी पहल धर्मार्थ ह्रदय ओ.पी.डी. जो कि मात्र 10 रु में अत्याधुनिक ह्रदय रोग जांच और परामर्श प्रदान करेगी।

होप हार्ट हॉस्पिटल, जो पिछले तीन वर्षों से उत्कृष्ट और समर्पित ह्रदय चिकित्सा के लिए जाना जाता है, अब अपनी सेवा यात्रा को एक कदम आगे ले जाते हुए 27 अप्रैल 2025, रविवार से हर महीने की चौथी रविवार को इस ओ.पी.डी. सेवा का आयोजन करेगा। यह सेवा डॉ. अनिरुद्ध गायधने के निवास स्थान, ग्राम आसोली में आयोजित की जाएगी। इस महान सेवा का शुभारंभ विधायक विनोद अग्रवाल व डॉ.अनिरुद्ध गायधने (संस्थाध्यक्ष) के करकमलों से होगा।

सेवा भावना से प्रेरित, तकनीक से सशक्त होप हार्ट हॉस्पिटल का यह कदम न केवल चिकित्सा सेवा की दृष्टि से उल्लेखनीय है, बल्कि यह एक मानवीय मिसाल भी पेश करता है। संस्था के प्रेरणास्त्रोत परम पूज्य संत खराटे महाराज की समाज सेवा और त्याग भावना को समर्पित यह कार्यक्रम हजारों दिलों की धड़कनों को नया जीवन देगा।

कार्यक्रम की विशेषताएं

मात्र 10 में हार्ट स्पेशलिस्ट द्वारा परामर्श, आधुनिक हार्ट चेकअप सुविधाएं, हर महीने नियमित ओ.पी.डी. सेवा, आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण की सुविधा भी उपलब्ध, दिल और दिल का दौरा उपचार, सरकारी आयुष्मान भारत और महात्मा फुले योजना के तहत ?स्वर्ण पदक विजेता ह्रदय रोग विशेषज्ञ द्वारा , ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह जनसेवा जीवनदायिनी सिद्ध होगी और मिसाल बनेगी।

ग्रामीण अंचलों में ह्रदय रोग की पहचान और समय पर उपचार न मिल पाने से हजारों जिंदगियां हर साल असमय काल के गाल में समा जाती हैं। ऐसे में होप हार्ट हॉस्पिटल की यह पहल सिर्फ एक ओ.पी.डी. नहीं, बल्कि एक नई उम्मीद है ङ्क एक ऐसा प्रयास जो दिलों की धड़कनों को नया सवर देगा।

संस्था का संदेश

हमारा उद्देश्य केवल इलाज नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और सुलभ स्वास्थ्य सेवा का विस्तार करना है। संस्था का नारा होप हमेशा आपके साथ है हमारा वादा , अभी एक विश्वास बन चुका है। सम्पर्क करें और लाभ उठाएं हर महीने के चौथे रविवार स्थान- डॉ. अनिरुद्ध गायधने निवास, ग्राम आसोली, जिला गोंदिया समय- सुबह 10.00 से दोपहर 12.00 बजे तक संपर्क- 07182-299202, 9823224886, 8275290926

अपील

गोंदिया जिले सहित सभी आसपास के गांवों के नागरिकों से अपील है कि इस अवसर का अधिकाधिक लाभ उठाएं। यह केवल एक चिकित्सा शिविर नहीं, बल्कि आपके स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा है।

पटवारी और मंडल अधिकारियों का धरना

मांगें पूरी न होने पर अवकाश आंदोलन की धमकी

भंडारा–भंडारा तहसील कार्यालय के सामने जिले के सभी पटवारी और मंडल अधिकारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सोमवार को एकदिवसीय धरना आंदोलन किया. इस आंदोलन में भंडारा जिला पटवारी संगठन के अध्यक्ष शेखर एम. ठाकरे, उपाध्यक्ष राजेश्वर ठाकरे, मंडल अधिकारी जिला शाखा के अध्यक्ष जयंत सोनवने, उपाध्यक्ष वसुंधरा वासेनिक और सचिव टी. आर. गिरेपुंजे उपस्थित थे. आंदोलन में महाराष्ट्र समन्वय महासंघ के प्रतिनिधि राजेश मडामे ने भी भाग लिया. जिले के सभी तहसील कार्यालयों में आंदोलन एक ही समय पर हुआ, जिसमें सभी तहसीलों के पटवारी और मंडल अधिकारी एकत्र होकर शामिल हुए. संगठन ने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने समय रहते उचित प्रतिक्रिया नहीं दी, तो जनता के कार्यों में बाधा उत्पन्न होने की जिम्मेदारी पूरी तरह से शासन-प्रशासन की होगी. आंदोलनकारियों की है विभिन्न मांगें पटवारी और मंडल अधिकारियों की वरिष्ठता सूची तुरंत प्रकाशित की जाए, पटवारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट तुरंत प्रस्तुत की जाए, रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए, पटवारियों को कार्यालयीन किराया मंजूर किया जाए, समयबद्ध पदोन्नति और पटवारियों को स्थायित्व प्रमाणपत्र दिया जाए, 2021 की जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए अतिरिक्त भत्ते का भुगतान किया जाए, पुराने प्रिंटर बदलकर हाल ही में नियुक्त पटवारी-मंडल अधिकारियों को लैपटॉप, स्कैनर और प्रिंटर दिए जाएं, शासकीय कार्यालयों के बिजली बिल के लिए आवश्यक निधि प्रदान की जाए, अनुरोध पर स्थानांतरण तुरंत किया जाए. इन मांगों को लेकर यह धरना किया गया. यदि ये मांगें समय पर पूरी नहीं की गईं, तो मंगलवार 22 अप्रैल से भंडारा जिलाधिकारी कार्यालय में सभी पटवारी और मंडल अधिकारी एकदिवसीय अवकाश आंदोलन करेंगे और उसके बाद अनिश्चितकालीन अवकाश आंदोलन शुरू किया जाएगा, ऐसी चेतावनी भी इस दौरान दी गई.

टूर पैकेज के नाम पर हुई धोखाधड़ी

गोंदिया–रामनगर थाने के तहत अवंतीबाई चौक निवासी फिर्यादी मिलिंदकुमार विकास उके ने परिवार के साथ सिक्कीम दार्जिलिंग जाने के लिए मोबाइल व इंस्टाग्राम से टूर पैकेज फार्म भर कर सबमिट किया. डिम हॉलिडे एजेन्सी की ओर से फिर्यादी से बार-बार संपर्क कर प्लाइट टिकट, होटल बुकिंग, लोकल ट्रान्सफोर्ट के नाम पर 2 लाख 2 हजार 769 रु. ऑनलाइन लिए गए. लेकिन डिम हॉलीडे एजेन्सी की ओर से टूर पैकेज में प्लाइट टिकीट, होटल बुकिंग, लोकल ट्रान्सपोर्ट व मेंबरशिप की कोई सुविधा न देते हुए धोखाधड़ी की गई. वहीं फिर्यादी के पैसे भी नहीं लौटाए गए. फिर्यादी की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच सहायक पुलिस निरीक्षक देशमुख कर रहे हैं.

ट्रैक्टर की चपेट में आने से वाहन चालक की मृत्यु

गोंदिया–गोंदिया ग्रामीण थानांतर्गत ढीमरटोली में ट्रैक्टर के पलटने के बाद ट्रैक्टर चालक की नीचे दबने से मौत हो गई। यह घटना 19 अप्रैल को घटी। जानकारी के अनुसार ग्राम चिचगांव निवासी मनोज राजकुमार काल्हे (22) लापरवाहीपूर्वक ट्रैक्टर चला रहा था। इस दौरान उसका वाहन मार्ग पर पलट गया और ट्रैक्टर के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। फरियादी राजकुमार चिंतामन कोल्हे (51) की रिपोर्ट पर ग्रामीण पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 106 (1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच सहायक फौजदार मल्लेवार कर रहे है।

बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन तैयार पदाधिकारियों की रहेगी नजर

गोंदिया–समाज में व्यापक अशिक्षा, पिछड़ापन, गरीबी, कम उम्र में शादी करने की प्रथा और जाति व्यवस्था के कारण बाल विवाह की दर बढ़ रही है. भारतीय संस्कृति में विवाह एक महत्वपूर्ण व सार्वभौमिक सामाजिक क्रियाकलाप है. स्वाभाविक रूप से सामुदायिक और व्यक्तिगत विवाह समारोह दोनों ही शुभअवसरों पर आयोजित किए जाते हैं, और इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि बाल विवाह की घटनाएं अधिक होती हैं. इस वर्ष अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को है और इस दिन को शुभ मानते हुए इस दौरान बड़े पैमाने पर बाल विवाह होने की भी संभावना है. अधिसूचना 3 जून 2013 के अनुसार तथा बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, 2006 (2007 का 6) की धारा 16 की उपधारा (1) व (3) के अनुसार परियोजना के अंतर्गत नियुक्त बाल विकास प्रकल्प अधिकारी व आंगनवाड़ी पर्यवेक्षकों तथा ग्राम पंचायत स्तर पर संबंधित ग्राम पंचायत की ग्राम सेवकों को बाल विवाह रोकथाम अधिकारी, जबकि आंगनवाड़ी सेविकाओं को सहायक बाल विवाह रोकथाम अधिकारी घोषित किया गया है. 17 अप्रैल 2025 को राष्ट्रीय बाल हक्क संरक्षण आयोग नई दिल्ली के ऑनलाइन बैठक के संबंध में राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग व जिलाधीश प्रजीत नायर ने निर्देश दिए कि अक्षय तृतीया के दिन कोई भी बाल विवाह न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए. इसलिए बाल विवाह को रोकने और बाल अधिकारों की रक्षा के लिए अधिक प्रभावी प्रयासों की आवश्यकता है.

पंकज पटले ने UPSC में 329वीं रैंक हासिल की जिले का बढ़ाया गौरव

तिरोड़ा–ग्राम ठाणेगांव निवासी सामान्य परिवार के जिला परिषद सेवानिवृत्त शिक्षक मनोहर पटले के पुत्र डॉ. पंकज पटले ने 22 अप्रैल को घोषित हुए यूपीएससी के परिणामों में देश में 329वीं रैंक हासिल कर न केवल अपने माता-पिता का बल्कि संपूर्ण जिले का गौरव बढ़ाया है. उसकी इस सफलता पर उनसे मिलकर उन्हें बधाईयां देने वालों का उनके घर तांता लगा रहा. पूर्व विधायक दिलीप बंसोड समेत अनेक गणमान्य नागरिकों, परिजनों व मित्र परिवारजनों ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर बधाईयां दी. अपनी सफलता के संदर्भ में उन्होंने बताया कि वे कक्षा पहली से छठी कक्षा तक तिरोड़ा की सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़े हैं. उपरांत वे नवोदय विद्यालय में कक्षा बारहवीं तक पढ़कर उन्होंने नागपुर के शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय से एमबीबीएस पूर्ण किया. उसके बाद वे यूपीएससी की तैयारी में लग गए. और अंततः संघ लोकसेवा आयोग द्वारा यूपीएससी के घोषित किए गए परिणामों में उनका चयन हो चुका है

मांग-गारुड़ी समाज को मिला अधिकार और पहचान का प्रमाण
यह प्रमाणपत्र नहीं, एक उज्जवल भविष्य की गारंटी - विधायक विनोद अग्रवाल

विधायक विनोद अग्रवाल एवं जिलाधिकारी प्रजीत नायर के अथक प्रयासों से 227 परिवारों को मिला जाति प्रमाणपत्र, खुला विकास और सम्मान का रास्ता

बुलंद गोंदिया। वर्षों से शासकीय योजनाओं और संवैधानिक अधिकारों से वंचित मांग-गारुड़ी समाज के लिए 20 अप्रैल का दिन एक नया सूरज लेकर आया। एक ऐसा दिन जब वर्षों की उपेक्षा, पहचानहीनता और पीड़ा को पहचान और अधिकार का नाम मिला। विधायक विनोद अग्रवाल और जिलाधिकारी प्रजीत नायर की संयुक्त पहल पर पंचायत समिति के एक विशेष कार्यक्रम में 227 लाभार्थियों को जाति प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में न केवल दस्तावेजों का वितरण किया गया, बल्कि एक समाज को मुख्यधारा से जोड़ने की शुरुआत की। ये वे लोग थे जो आजादी के 78 सालों बाद भी बुनियादी सुविधाओं जैसे राशन कार्ड, आधार कार्ड, जाति प्रमाणपत्र, आवास, बिजली और पानी से वंचित थे। इनके पास न जन्म का प्रमाण था, न शैक्षणिक कागजात। नतीजतन, ये हर सरकारी योजना और आरक्षण से पूरी तरह बाहर थे।

विधायक विनोद अग्रवाल का जमीनी जुड़ाव यह बदलाव अचानक नहीं आया। विधायक विनोद अग्रवाल ने कुड़वा ग्राम पंचायत अंतर्गत मांग-गारुड़ी बस्ती का दौरा कर, समाज की वास्तविक और जमीनी स्थिति को नज़दीक से जाना। वहां उन्होंने खुद लोगों से संवाद किया और पाया कि समाज अब भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्षरत है।

28 फरवरी को पालावर्ची शाला (कुड़वा) में विशेष बैठक आयोजित कर, उन्होंने राजस्व विभाग और जिलाधिकारी कार्यालय के अधिकारियों के साथ तत्काल कार्य योजना बनाई। रिकॉर्डों की समीक्षा कर प्रमाणपत्रों की प्रक्रिया तेज़ करने के निर्देश दिए।

जाति प्रमाणपत्र प्राप्त होने से अब मांग-गारुड़ी समाज के बच्चे शैक्षणिक आरक्षण, छात्रवृत्ति, आवास योजना, रोजगार योजना और अन्य सभी सरकारी लाभों में भागीदारी कर सकेंगे। इस दस्तावेज़ ने उन्हें पहचान के साथ सम्मान और अवसर भी दिया है।

विकास का भरोसा, संकल्प की ताकत-

विधायक विनोद अग्रवाल ने बस्ती के लिए बिजली, पानी की टंकी, बोरवेल, मोदी आवास योजना जैसे अन्य विकास कार्यों का भी आश्वासन दिया। पालावर्ची शाला में पढ़ रहे बच्चों को देखकर उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत बोरसे के कार्य की सराहना की और हरसंभव मदद का वादा किया। अधिकारी और सामाजिक प्रतिनिधि की उपस्थिती इस महत्वपूर्ण अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल, जिलाधिकारी प्रजीत नायर, पंचायत समिति के सभापति मुनेश रहांगडाले, एसडीओ श्री खंडाईत, तहसीलदार शमशेर पठान, अपर तहसीलदार श्री कांबले, माजी सभापति पूजा अखिलेश सेठ, ग्राम पंचायत कुड़वा के उपसरपंच कमल फरदे, जिला परिषद सदस्या कु. अनंदा वाढीवा, तलाठी श्री भोयर, समाजसेवी श्री प्रशांत बोरसे, मंडल अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पहचान की एक नई शुरुआत

आज का दिन मांग-गारुड़ी समाज के लिए सिर्फ एक प्रमाणपत्र का दिन नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्जन्म है। यह विधायक विनोद अग्रवाल के जनसंवेदनशील नेतृत्व और प्रशासनिक तंत्र की जागरूकता का परिणाम है, जिसने वर्षों की उपेक्षा को न्याय में बदला।

मत्स्य पालन को मिलेगा अब कृषि के समान दर्जा
राज्य सरकार का निर्णय, विधायक फुके के प्रयासों को मिली सफलता

बुलंद गोंदिया। राज्य सरकार द्वारा मत्स्य पालन क्षेत्र को भी कृषि क्षेत्र के समान दर्जा देने का निर्णय मंत्रिमंडल की सभा में लिया गया है.सरकार के इस निर्णय से राज्य में मछली पालन से जुड़े लाखों परिवारों को इसका लाभ मिलेगा तथा भविष्य में यह निर्णय महत्वपूर्ण साबित होगा इसके लिए विधायकपरिणय फुके के द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा था जिससे उनके प्रयासों को आज सफलता प्राप्त हुई।

गौरतलब है की कृषि की तरह अब मत्स्य पालन के लिए भी नुकसान भरपाई का मार्ग खुल गया है गोंदिया ,भंडारा जिले में बड़ी संख्या में मछुआरे मछली पकड़ने का व्यवसाय करते हैं उनकी कठिनाइयों को देखते हुए विधायकपरिणय फुके ने समय-समय पर राज्य सरकार के समक्ष इन समस्याओं को रख हल करने की मांग की थी जिससे फुके के प्रयासों को सफलता प्राप्त हुई तथा आज के मंत्रिमंडल ने यह निर्णय लिया।

राज्य सरकार के इस निर्णय से अब मछुआरों को कृषि के समान बिजली बिलों में रियायत, कृषि दरों के अनुसार कर्ज, कम लागत पर बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड सुविधा सौर ऊर्जा योजनाओं का लाभ मिलेगा। डॉ. फुके ने कहा कि मछुआरे भी अब सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे तथा वह आर्थिक रूप से सक्षम होंगे। इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, मत्स्य मंत्री नितेश राणे समेत पूरे मंत्रिमंडल को धन्यवाद दिया गया है।

सिंचाई परियोजनाओं को गति सभा में गोसीखुर्द परियोजना से संबंधित संशोधित प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई 25972 करोड रुपए की संशोधित प्रशासकीय मंजूरी दी गई जिसमें भंडारा, चंद्रपुर व नागपुर जिलों में लगभग 1,97000 हेक्टर क्षेत्र सिंचाई के अंतर्गत आ जाएंगे।

नकली बीज बेचने पर होगी जेल व जुर्माना बिल नहीं होने पर नहीं मिलेगा कोई मुआवजा

गोंदिया-जिले में फर्जी बीज के कारण किसानों के साथ धोखाधड़ी की घटनाएं सामने आई है. पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार, नकली बीजों का उपयोग, बिक्री और भंडारण कानूनन अपराध माना जाता है. इस अपराध के लिए दोषी पाए जाने वालों को पांच साल तक की कैद और एक लाख रु. तक का जुर्माना हो सकता है. इसलिए किसानों को नकली बीजों से सावधान रहने की जरूरत है तथा किसानों के लिए बीज खरीदते समय वैध बिल प्राप्त करना आवश्यक है, क्योंकि वैध बिल के बिना कोई मुआवजा प्राप्त नहीं किया जा सकता. खरीफ सीजन के शुरू होने में सिर्फ डेढ़ महीने का समय बचा है और किसान अभी से तैयारी में जुटे हैं. ऐसी स्थिति में बीज कंपनियां किसानों को बीज और कीटनाशकों की आपूर्ति करने लगी है. सीजन के दौरान अनधिकृत बीज बेचे जाने की संभावना रहती है. ये बीज मिट्टी, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं, साथ ही वे बीज भी हानिकारक हो सकते हैं जिन्हें सरकार द्वारा अनुमति नहीं दी गई है. तथा उन बीजों पर शाकनाशियों के व्यापक छिड़काव से कैंसर और गुर्दे की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है. किसान किसी अजनबी से बीज न खरीदे. यदि यह पाया जाता है कि नकली बीज बेचा जा रहा है, तो तहसील कृषि अधिकारी, कृषि अधिकारी, पंचायत समिति कार्यालय, जिला परिषद में शिकायत की जाए. खरीदते समय ध्यान रखें इनपुट केवल लाइसेंस प्राप्त और अधिकृत विक्रेताओं से ही खरीदे जाए जो गुणवत्ता और मानक की गारंटी देते हों. बीज और कीटनाशकों की खरीदी के लिए पक्का बिल प्राप्त करें. किसी के बहकावे में आकर किसी निजी व्यक्ति से खरीदारी न करें.

इनपुट खरीदते समय यह सुनिश्चित करें कि वे सीलबंद या सीलबंद पैकेट, बैग और बोतलों में हों. कृषि विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि बीज के अंकुरित होने की पुष्टि के लिए पैकेट पर समाप्ति तिथि अवश्य जांच लें.

छात्रों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

सड़क अर्जुनी-लोहिया शिक्षा संस्था द्वारा संचालित रामेश्वरदास जमनादास लोहिया माध्यमिक विद्यालय, रामदेवबाबा अध्यापक विद्यालय व जमुनादेवी लोहिया प्राथमिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में लोहिया शिक्षण संस्था के संस्थापक जगदीश लोहिया की प्रेरणा से प्राचार्य उमा बाच्छल की अध्यक्षता में विद्यालय में विश्व वसुंधरा दिवस मनाया गया. इस अवसर पर पर्यवेक्षक डी. एस. टेंभुर्णे, प्राध्यापक आर.एन. अग्रवाल, जी.एस. कावले, सहायक शिक्षिका के. एस. काले उपस्थित थे. इस दौरान सभी शिक्षक व विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली. प्राचार्य ने विद्यार्थियों को पृथ्वी दिवस का महत्व समझाते हुए उनका मार्गदर्शन किया. स्कूल के एस.पी. मांडारकर ने विद्यार्थियों को पृथ्वी दिवस और ग्रीन आर्मी का महत्व समझाया. इस विषय पर स्कूल में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई. शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे. संचालन के.एस. काले ने किया व आभार टी.बी. सातकर ने माना.

बिजली की आंखमिचोली महावितरण की लचर कार्यप्रणाली भीषण गर्मी में शहरवासी हो रहे हलाकान

बुलंद गोंदिया। गर्मी का भीषण प्रकोप तापमान जैसे-जैसे बढ़ रहा है वैसे महावितरण की लचर कार्यप्रणाली सामने आ रही है. प्रतिदिन बिजली की आंखमिचोली से भीषण गर्मी में शहर वासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

महावितरण की कार्यप्रणाली वैसे तो वर्ष भर ही लचर रहती है सिर्फ विद्युत बिल की पठानी वसूली करने में सबसे आगे रहता है, लेकिन निरंतर विद्युत आपूर्ति में फिसड्डी साबित होता है। मामूली सा हवा तूफान आते ही लाइट चले जाने की समस्या हमेशा निरंतर बनी रहती है। अघोषित लोडसेडिग भी महावितरण द्वारा की जाती जिसकी सूचना नागरिकों को नहीं दी जाती। वर्तमान में गर्मी अपने तेवर दिखाने लगी है तथा प्रतिदिन तापमान में बढ़ोतरी हो रही है जिस प्रकार सूर्य देवता अपना प्रकोप दिखा रहे हैं तो महावितरण ने भी अपनी लचर कार्य प्रणाली को और त्रिव कर दिया है। जिससे प्रतिदिन लाइट गोल होने का सिलसिला चल रहा है इस भीषण गर्मी में जब लाइट चली जाती है तो नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है जिसमें मुख्य रूप से बुजुर्ग वह बच्चों का समावेश है।

शाम होते ही देर रात तक मनोहर चौक, सिविल लाइन ,गणेश नगर, बाजार विभाग आदि क्षेत्र में विद्युत कटौती की समस्या बनी हुई है गर्मी में वैसे तो नींद आती नहीं लेकिन यदि आ भी गई तो महावितरण की मेहरबानी से लाइट चल जाती है जिससे फिर से नींद में खलल पड़ जाता है। मच्छरों का भीषण

प्रकोप इस मौसम में मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ जाता हैजब लाइट चली जाती है तो मच्छर भी अपना उग्र रूप धारण कर लेते हैं तथा वह भी शासकीय महकमें के अधिकारियों व कर्मचारीयो की तरहत नागरिकों को परेशान करने में किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ते हैं।

खंभे वह लाइन जर्जर अवस्था में गोंदिया शहर के अधिकांश विद्युत खंबे वह इलेक्ट्रिक वायर जर्जर अवस्था में हो चुके हैं मामूली हवा तूफान से ही शॉर्ट सर्किट होने के चलते लाइट गोल हो जाती है तथा आए दिन ट्रांसफार्मर में आग लगने की भी घटना घटित होती है जिससे एक बड़ा हादसे की संभावना बनी रहती है।

गर्मी में बढ़ जाता है लोड समस्या का निराकरण जल्द गर्मी के बढ़ते ही विद्युत लोड बढ़ जाता है जिसमें एसी , कूलर पंखे के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में वाटर पंप को भी विद्युत आपूर्ति करना पड़ता है जिससे लोड बढ़ जाने के चलते तकनीकी समस्या निर्माण होती है, लेकिन इसका जल्द ही निराकरण किया जाएगा तथा गणेश नगर, मनोहर चौक क्षेत्र की समस्या भी एक-दो दिन में हल हो जाएगी

आर. टेंभुर्णीकर अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता महावितरण

गोंदिया व श्रीनगर के लिए आपातकालीन नंबर जारी
पहलगाम आतंकी हमले में जिले के लोग सुरक्षित

गोंदिया-22 अप्रैल 2025 को पहलगाम, जम्मू और कश्मीर में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले हुए. संभावना है कि इनमें गोंदिया जिले कुछ पर्यटक भी होंगे. यदि उक्त स्थान में गोंदिया जिले के किसी का कोई रिश्तेदार या परिचित होगा तो तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करें. जम्मू कश्मीर में पर्यटन के लिए गए गोंदिया जिले के गोरेगांव तहसील के सोनी निवासी के डॉ. शुभम राजेंद्र पटले व डॉ. पूजा शामराव बिसेन घटनास्थल पर नहीं थे. वे श्रीनगर में सुरक्षित है. संपर्क के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गोंदिया 9404991599 (कॉलिंग और वाट्सएप) 9881064449 (केवल गोंदिया जिले के लिए) पर्यटकों की सहायता के लिए जिला मुख्यालय, डीसी कार्यालय, श्रीनगर में 24×7 हेल्प डेस्क/आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है. जिसका संपर्क ए) 0194-2483651 0194-2457543, बी) वाट्सएप नंबर 7780805144, 7780938397 जिला प्रशासन श्रीनगर है. आपातकालीन परिचालन में अधिकारी नियुक्त- आपदा प्रबंधन निदेशक सतीश कुमार खड़के ने महाराष्ट्र के प्रभावित नागरिकों की मदद के लिए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में दो अधिकारियों की नियुक्ति की गई है. मंत्रालय नियंत्रण कक्ष में प्रबंधक सूर्यवंशी और कक्ष अधिकारी नितिन मसले को नियुक्त किया गया है. इस घटना के मद्देनजर मदद के लिए मंत्रालय के नियंत्रण कक्ष के टेलीफोन नंबर 022-22027990/22794229 और मोबाइल नंबर 9321587143 (वाट्सएप नंबर) के साथ-साथ आपातकालीन संपर्क नंबर (टोल फ्री 1070) पर संपर्क करने की अपील की है.

फंसे यात्रियों के लिए विशेष ट्रेन की व्यवस्था

पहलगाम घटना के मद्देनजर फंसे हुए यात्रियों की सुविधा और यातायात समस्या के समाधान साथ-साथ अतिरिक्त भीड़ के प्रबंधन के लिए श्री माता वैष्णो देवी (एसएमवीडी) कटरा से नई दिल्ली तक एक विशेष ट्रेन सेवा शुरू की गई है. इस विशेष ट्रेन के टिकट कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध होंगे.

शराब बिक्री के खिलाफ अदासी की महिलाओं ने उठायी आवाज
कड़ी धूप में भी शराबबंदी के लिए ग्रामसभा में डटीं रहीं महिलाएं

गोंदिया-गोंदिया तहसील अंतर्गत आनेवाले अदासी गांव में बियर बार को बंद करने की मांग को लेकर 788 महिलाएं तेज धूप में भी ग्रामसभा में डटी रहीं। यह ग्रामसभा 19 अप्रैल को आयोजित की गई। महिलाओं की मांग है कि गांव के बियर बार को जल्द से जल्द बंद किया जाए, ताकि गांव का युवा वर्ग शराब का आदी न हो एवं गांव का माहौल न बिगड़े। बता दें कि ग्रापं प्रशासन, ग्राम स्वच्छता संघ एवं गांव की महिलाओं ने एकजुट होकर गांव में स्थित वाइन वर्ल्ड बियर बार का विरोध कर इसे बंद करने की मांग की है। विगत 26 जनवरी को गोंदिया तहसील के अदासी में आयोजित आमसभा में बार को बंद करने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था। इस संबंध में जिलाधिकारी और राज्य आबकारी अधीक्षक को सूचित किया गया था। इसके बाद 10 मार्च 2025 को राज्य उत्पाद शुल्क विभाग ने ग्राम पंचायत को एक पत्र देकर विशेष ग्रामसभा आयोजित करने का सुझाव दिया। शनिवार 19 अप्रैल को सुबह 11 बजे जिप उच्च प्राथमिक विद्यालय के मैदान में विशेष महिला ग्राम सभा (चुनाव) आयोजित की गई। इस ग्रामसभा में शामिल होने के पूर्व महिलाओं को पहचान पत्र पेश करने पड़े। ताकि गांव की महिलाएं ही शराब बंदी के लिए मतदान कर सकें। गांव की 1120 महिलाओं में से 788 ने उपस्थिति दर्शाकर बार का विरोध किया। मतदाताओं की पड़ताल गुट विकास अधिकारी व निरीक्षक राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने की। दोनों अधिकारी व संबंधित अनुज्ञप्तिधारकों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में यह ग्रामसभा हुई। संपूर्ण ग्रामसभा का एक वीडियो भी बनाया गया। इस ग्रामसभा में पंचायत समिति के विस्तार अधिकारी तिड़के, राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के निरीक्षक काळील, पूर्व जिप सदस्य जगदीश बहेकार, सरपंच उषाताई भोंडे, उपसरपंच व सभी सदस्य, पंस सभापति मुनेश रहांगडाले, ग्रामसेवक दिलीप शहारे, शराब बंदी समिति के पुरुष अध्यक्ष सतीश भोंडे, महिला अध्यक्ष शकुंतला शिवणकर, ग्राम स्वच्छता संघ अदासी के सभी सदस्य, विमुस अध्यक्ष अशोक गौतम, विविध सेवा सहकारी संस्था के अध्यक्ष व सदस्य, ग्राम महिला संघ, महिला बचत समूह की महिलाएं आदि उपस्थित थे।

आवारा श्वानों से लोगों में खौफ

गोंदिया-शहर के नागरिक जहां एक ओर सुअरों से परेशान है वहीं दूसरी ओर श्वानों के झुंड से उनमें खौफ है. इनका झुंड एक दूसरे से किस समय भीड़ जाएगा यह बताया नहीं जा सकता. शहर के अनेक स्थानों सहित हर क्षेत्र में सुअर व श्वानों का झुंड मार्ग पर होता है. इसमें कई बार वाहन चालकों के पीछे श्वान दौड़ते है जिससे कई नागरिक इनके हमले में घायल हो गए है. नागरिकों द्वारा लावारिस श्वानों का बंदोबस्त करने की मांग की गई है, फिर भी इस ओर नप ध्यान नहीं दे रहा है.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।